Ekk Ih dh eLr pnkbi

मैं संजय, आपने मामी की लड़की की चुदाई की दास्तान के बाद फिर आपके पास एक नई दास्तान लेकर आया हूं। ये घटना तकरीबन १० साल पुरानी है। मेरी मौसी के पति बाहर नौकरी करते थे और मौसी घर पर रहती थीं। ३ या ४ महीने में एक बार मौसा घर आते थे।

जरा अपनी मौसी के बारे में आपको बता दूं। उनकी उम्र ३५ साल थी और रंग बिल्कुल गोरा। चूचियां इतनी बड़ी कि कोई भी माई का लाल उसको एक हाथ से पकड़ नहीं सकता था। गदराया हुआ बदन। मौसी हमेशा बड़े गले का ब्लाउज पहनती थी और उसकी आधी चूची तो हमेशा बाहर निकली रहती थी। चलती थी तो दोनो चूतड़ ऐसे हिलते थे कि उनको देखकर ही लंड का माल निकल जाए।

मैं गर्मी की छुट्टियों में मौसी के घर गया, मैं उस समय शायद १८ या १९ साल का था। मौसी ने बड़े प्यार से बोला 'आ बेटा, कितने दिन रहेगा' मैंने बोला 'एक सप्ताह' मौसी बोली 'चल कमरे में अपना सामान रख दे और नहा ले' लेकिन दोस्तों मेरी नज़र तो मौसी की बाहर झांकती हुई चूचियों पर थी। अचानक मौसी के साड़ी का पल्लू सरक गया और भगवान कसम जो देखा बयान नहीं कर सकता। दोनो चूचियों के बीच की जो खाई दिखी उसमें कोई भी कूदना चाहेगा। मेरी तो नज़र वहीं टिक गई। मौसी भांप गई कि मैं क्या चाहता हूं। उनको भी लंड के दर्शन बहुत दिनों से नहीं हुआ था, शायद इसी लिए उन्होंने पल्लू वैसे ही रहने दिया और तिरछी चोर नज़र से मुझको देख रही थी। शायद वो मुझे चुदाई के खेल के पहले वार्म अप करा रही थी। मेरे लंड में खिंचाव आ रहा था। मैं नहाने चला गया और नहा के निकला मो देखा मौसी ने साड़ी उतारकर नाइटी पहन ली थी, मैं देखकर दंग रह गया कि नाइटी के नीचे कुछ नहीं पहना था, सबकुछ साफ साफ झलक रहा था। टांगों के बीच में चूत की तस्वीर झलक रही थी। मौसी ने बुलाया 'संजु, आ जाओ, खाना तैयार है'। मैं खाने बैठा तो मौसी ने झुककर थाली ज़मीन पर रखी तो नाइटी इतनी ठीली थी कि दोस्तों मौसी के शरीर का एक एक हिस्सा दिखने लगा। दोनो चूचियां लटक रही थी और उनके ऊपर काले काले मोती साफ दिख रहे थे। किसी तरह मैंने खाना खाया। मौसी ने कहा 'सफर से आया है, चलकर मेरे कमरे में सो जा, अकेले दूसरे कमरे कहां सोयेगा'? मैं तो इसी तलाश में था मैं जाकर सो गए, सोया क्या, सोने का बहाना करके आंखें बंद कर लीं।

© 2008. www.antarvasna.com

थोड़ी देर में मौसी भी आई और मेरे बगल में सो गई। मैं लेटे लेटे ये सोच रहा था कि अब क्या करूं, कैसे हिम्मत करूं, वैसे तो मौसी ने संकेत दे ही दिया था कि वो जमकर चुदना चाहती हैं, फिर भी कैसे हिम्मत करूं। लेकिन देस्तों मैं तो हैरान रह गया जब थोड़ी देर बाद अचानक मौसी का एक हाथ मेरी लुंगी के ऊपर और ठीक मेरे लंड के ऊपर आ गया। मौसी का हाथ वैसे ही थोड़ी देर मेरे लंड पर था कोई हरकत नहीं हुई, लेकिन लंड कहां माने वो तो टाइट होता जा रहा था। थोड़ी देर बाद मुझे ऐसा लगा कि मौसी का हाथ मेरे लंड पर कसता जा रहा है। धीरे धीरे मौसी ने मेरी लुंगी हटाकर मेरे लंड को पकड़ लिया और धीरे धीरे सहलाने लगीं। धीरे से बोली 'संजु बेटा' मैं उठा और ऐसा दिखाया जैसे मुझे कुछ पता नहीं हो। मौसी बोलीं 'बेटा तू तो जगा ही है न, सोने का नाटक क्यों कर रहा है, अगर तू सोया होता तो तेरा ये हथियार इतना तैयार नहीं होता'। मैं शरमाने लगा। धीरे से बोलीं 'बेटा मेरी चूचियां तू जिस तरह से देख रहा था, मैं समझ गई थी कि तेरा लंड अब मेरी चूत चोद कर मानेगा। बेटा मेरी चूत भी तो प्यासी है और वो भी लंड मांग रही है। तू आज चोदेगा अपनी मौसी को। अरे हरामी, जब मैं नहीं शरमा रही हूं तो तू क्यों लड़कियों की तरह शरमा रहा है, आज चोद अपनी मौसी की चूत को, भरोसा रख, बहुत मज़ा दूंगी। तेरे मौसा तो अभी दो महीने के बाद आएंगे, तब तक तो प्यारी चूत भूखी रहेगी, लेकिन आज इसकी प्यास मैं तेरे ८ इंच के लौड़े से बुझाउंगी। वैसे तेरा लंड तो उम्मीद से ज्यादा लम्बा निकला। तू तो जिसको चोदेगा उसकी चूत तो तार तार हो जाएगी। बोल राजा तू चोदेगा न मेरी चूत को'। मेरे से रहा नहीं गया और मैंने अपनी लुंगी उतार दी और देखा मौसी ने भी अपनी नाइटी उतार तक फेंक दी। अब मौसी एकदम नंगी मेरे सामने खड़ी थी। बयान नहीं कर सकता, देखने के बाद मैं कह सकता हूं कि कोई भी कितना शरीफ हो वो अपने को रोक नहीं सकता और इस स्थिति में चोदेगा ज़रूर।

मैंने दोनो हाथों से मौसी की चूचियों का मर्दन शुरु कर दिया, एक चूची को मल रहा था और दूसरी अपने मुंह में लेकर चूस रहा था। मौसी बोली 'हाय रे राजा, ज़रा ज़ोर से चूस, बड़ा मज़ा आ रहा है। अअआाााााााहहहहहहहहहहहहहरेरेररेरेरेरेरेर। मेरी चूचियां कैसी हैं' मैं बोला 'मौसी रंडी तेरी चूचियां ही नहीं तू तो पूरी की पूरी जानदार है, आज मैं तेरी चूत का चूरमा बना दूंगा। साली तुझे आज पता चलेगा जवान लंड से चुदने का' फिर मैंने मौसी को बेड पर लिटाकर उसकी चूत को कुत्ते की तरह चाटने लगा। मौसी तो जैसे पागल हो गई थी 'जियो मेरे राअअअअअअअअअअअअअअअजाअअअअअअअअ, हाअअअअअअअअअअय रे, हराअअअअअअअअअअअअअअअअमी, चूस रे मेरी चूत के रस को पूरा चूस ले। अरे मादरचोद, बड़ा मज़ा आ रहा है, हाय रे, हाय रे, हाय रे अहा.... आह, आह, अहा.....भोसड़ीवाला जान मार देगा रे, अरे तेरी मां को चोदूं तू कितना हरामी

© 2008. www.antarvasna.com

है रे। ला अपना लंड चटा ज़रा। मौसी ने मेरे लंड को अपने मुंह में लेकर चभर चभर चाटने लगी। मेरा लंड बिल्कुल तन गया था। मौसी बोली 'चल हरामी अब मेरी चूत में डाल दे अपने इस मोटे लंड को' मैंने मौसी की दोनो टांगें फैला दी और अपने लंड को उसकी चूत पे रख कर एक ज़ोर का झटका मारा। मौसी जैसे चिल्ला पड़ी 'अरेरेरेरेरेरेरेरे हहहहहहराराराराामीमीमीमीमीमी मामामाममाामारररररर दियायायायायाायाया रे, तेरी मां का भोसड़ा, धीरे कर रे, फाड़ देगा तू मेरी चूत को, हाय रे मेरे राजा'। मेरा लंड मौसी चूत में जाकर पूरी तरह फिट हो गया। मैं जोर जोर से झटके मारने लगा। मौसी पागलपन में अनाप शनाप बकने लगी 'मार राजा मार और जोर से मार, मैं तेरी मौसी नहीं, तेरी रानी हूं, तू मेरा राजा है, खूब चोद अहा अहा अहा आह रे अरे हरामी और जोर झटका मार। फाड़ दे इस कुतिया चूत को, करमजली, हमेशा लंड को प्यासी रहती है। अहा राजा बड़ा मज़ा आ रहा है। पूरे कमरे में फच फच की आवाज़ गूंज रही थी। मैं बोला 'बोल रे छिनाल, मज़ा आ रहा है न, तेरी चूत को आज भोसड़ा बना छोड़ुंगा। तू भी याद करेगी कि किसी लंड से पसला पड़ा था। बोल मेरा लंड कैसा है' मौसी बोली 'अरे इतना बड़ा लंड आज तक नहीं देखा मेरे राजा, दिल करता है तेरे मौसा का छोड़कर तेरे साथ रहूं और रोज़ इस लंड से अपने भोसड़े की कुटाई करवांऊ। पेल मेरे राजा और ज़ोर से पेल, जितने ज़ोर झटके मार सकता है मार' इतना कहकर मौसी भी नीचे से ज़ोर ज़ोर से झटके मारने लगी जिससे झटके का दबाव चूत पर दुगना हो गया। १५ मिनट तक ऐसे ही चलता रहा और अचानक मौसी चिल्लाई 'अरे हरामी मेरा झड़ रहा है, हाय रे, हाय रे, हाय रे, मेरे राजा मैं झड़ रही हूं अहा......... और मौसी झड़ गई लेकिन पता नहीं क्यों मेरा नहीं झड़ा था। मैंने बोला 'अरे रांड तूने तो अपना सारा माल झाड़ लिया मेरा क्या होगा?' मौसी बोली ' ला अपना लंड मेरे मुंह में और ध्यान रहे एक भी बूंद बाहर नहीं गिरनी चाहिए, सारा माल मेरे मुंह में छोड़ना। दोस्तों, मैंने अपना लंड मौसी के मुंह में देकर चोदना शुरु कर दिया और ५ मिनट में सारा माल मौसी के मुंह में गिर गया और विश्वास नहीं हो रहा था कि मौसी ने एक बूंद भी नहीं गिरने दी और सारा माल पी गई।

दोस्तों इस तरह मैंने पूरी की एक यादगार चुदाई। मैं सभी लंड की भूखी औरतों को आमंत्रित करता हूं कि मुझसे मिलें, दावा है कि जो चुदाई करुंगा वो उनके लिए यादगार होगी। चूत जितनी पुरानी होगी, उतनी रसीली होगी। मुझे मेल पर सम्पर्क करें – mr.sanju74@rediffmail.com

© 2008. www.antarvasna.com